

वह रात जब 8 डाउन रुकी

किताब के साथ कक्षा के लिए सामग्री

यह पैक 9 अगस्त 1925 के काकोरी ट्रेन एक्शन पर लिखी किताब के साथ चलता है। इसमें एक पाठ योजना, चार वर्कशीट (किताब के हर अंक के लिए एक), “हमें कैसे पता?” पर एक पाठ, एक समय-रेखा गतिविधि और 12 प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी है। हर वर्कशीट का उत्तर-पृष्ठ आपके लिए है। विद्यार्थियों के पत्रों पर उत्तर नहीं हैं, इसलिए आप उन्हें जैसे हैं वैसे ही फोटोकॉपी कर सकते हैं।

पैक में क्या है

पृष्ठ 2	40 मिनट की कक्षा के लिए एक पत्रे की पाठ योजना।
पृष्ठ 3 से 10	वर्कशीट 1 से 4, हर एक दो पत्रों की। हर वर्कशीट में सही-गलत, क्रम लगाने या मिलान का काम, चार छोटे प्रश्न और एक “स्रोत जासूस” खाना है।
पृष्ठ 11 से 15	पाठ “गोली किसने चलाई? हमें कैसे पता?": शिक्षक के नोट, फिर विद्यार्थियों के तीन पत्रे।
पृष्ठ 16	समय-रेखा गतिविधि।
पृष्ठ 17	प्रश्नोत्तरी।
पृष्ठ 18 से आगे	उत्तर: वर्कशीट, समय-रेखा और प्रश्नोत्तरी। इन्हें अपने पास रखिए।

किताब के साथ इसका उपयोग कैसे करें

किताब में चार अंक और एक उपसंहार है। एक अंक पढ़िए, फिर उसकी वर्कशीट दीजिए। हर वर्कशीट पर लिखा है कि वह किन अध्यायों के लिए है। किताब सीधे-सादे वाक्यों में लिखी है और वर्कशीट भी उसी स्तर की हैं। विषय गंभीर है, इसलिए हम इसे उच्च प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं (लगभग 10 से 14 साल) के लिए सुझाते हैं। अपनी कक्षा को आप सबसे अच्छी तरह जानते हैं।

किताब में जहाँ भी स्रोत एक-दूसरे से अलग बात कहते हैं, वहाँ एक नीला डिब्बा है: “स्रोत कहाँ अलग हैं”। हर वर्कशीट का “स्रोत जासूस” खाना ऐसे ही एक डिब्बे को प्रश्न में बदल देता है। इनके उत्तर खुले रहते हैं, क्योंकि किताब खुद कहती है कि मामला तय नहीं है।

विषय के बारे में एक बात

इस इतिहास में एक डकैती, एक यात्री की मौत, मुकदमे और फाँसियाँ शामिल हैं। किताब बताती है कि क्या हुआ और हत्या का गुणगान नहीं करती। अहमद अली, जिनकी मौत हुई, कहानी के एक इंसान हैं, कोई फुटनोट नहीं। नौजवानों को ऐसे लोगों की तरह दिखाया गया है जिन्होंने फ़ैसले किए, और उनमें से कुछ पर लोग आज भी बहस करते हैं। विद्यार्थियों की भावनाएँ तेज़ हो सकती हैं। उन्हें अपनी बात कहने दीजिए और हर बार कारण पूछते रहिए। इस पैक के तथ्य किताब से लिए गए हैं, और जहाँ किताब कहती है कि उसके स्रोत असहमत हैं, वहाँ यह पैक भी वही कहता है।

शुरू करने से पहले ये शब्द समझाइए

डकैती	पाँच या उससे ज़्यादा लोगों के गिरोह की लूट। धारा 396 हत्या के साथ डकैती के लिए क़ानून था।
साज़िश	किसी समूह की क़ानून के खिलाफ़ कुछ करने की गुप्त योजना।
फ़रार	वांछित आदमी जो मिल नहीं रहा।
अपील	किसी ऊँची अदालत से फ़ैसला बदलने की माँग।
ज़ापन	औपचारिक लिखित अनुरोध।
वायसराय	भारत में अंग्रेज़ सरकार का प्रमुख। 1927 में यह लॉर्ड इरविन थे।

एक अंक, एक वर्कशीट

किसके लिए	कोई भी एक अंक। चार पाठों में इसे चार बार दोहराइए।
आपको चाहिए	किताब (छपी हुई या स्क्रीन पर), उस अंक की वर्कशीट, पेंसिलें।
विद्यार्थी करेंगे	अंक में जो हुआ उसे क्रम से बताना; जो पक्का पता है और जो सिर्फ “कहा जाता है” उसे अलग करना; एक स्रोत-वाक्यांश (“अदालत का इतिहास कहता है”) ठीक से इस्तेमाल करना।

पाठ

5 मिनट	शुरुआत	अंक की पहली पंक्तियाँ ज़ोर से पढ़िए, या उसकी ऑडियो सुनाइए। एक सवाल पूछिए: आपके हिसाब से आगे क्या होगा?
10 मिनट	पढ़ना	विद्यार्थी उस अंक के अध्याय पढ़ें, या समूहों में एक-एक अध्याय। इंटरैक्टिव संस्करण में वे पढ़ते हुए सुन भी सकते हैं।
10 मिनट	काम	वर्कशीट के खंड क और ख अकेले करें। जल्दी खत्म करने वाले “स्रोत जासूस” खाना शुरू करें।
10 मिनट	बातचीत	“सोचिए और लिखिए” के दो प्रश्न लीजिए। कारण पूछिए। एक बार कहिए: कोई राय गलत नहीं है, अगर वह किताब के तथ्यों पर टिकी हो।
5 मिनट	बंद करें	समापन प्रश्न: एक बात बताइए जिसके बारे में किताब को यक़ीन है, और एक बात जिसके बारे में वह कहती है कि शायद सच न हो।

अंक-दर-अंक

अंक	अध्याय	शुरू करने का प्रश्न
पहला: योजना	1 से 3	कोई आदमी किसी योजना के खिलाफ़ बहस करके भी उसमें शामिल क्यों होगा?
दूसरा: रात	4 से 8	एक ही रात को इतने अलग-अलग ढंग से कैसे बताया जा सकता है?
तीसरा: खोज	9 से 11	पुलिस रिपोर्ट हमें क्या बताती है, और उसमें क्या ग़लत हो सकता है?
चौथा और उपसंहार	12 से 17	जो लोग हर बात पर असहमत थे, उन्होंने एक ही अज़ी पर दस्तख़त क्यों किए?

अलग-अलग विद्यार्थियों के लिए मदद

ज़्यादा मदद चाहिए	अंक को साथ मिलकर ज़ोर से पढ़िए। खंड क पूरी कक्षा के साथ कीजिए और बाक़ी जोड़ियों को करने दीजिए। ऑडियो की छूट दीजिए।
और आगे बढ़ने को तैयार	पूरा “स्रोत जासूस” खाना कीजिए। उनसे “कहता है”, “नाम लेता है” और “नहीं कहता” वाक्यांशों के साथ एक अनुच्छेद का उत्तर लिखने को कहिए।
अंग्रेज़ी में पढ़ने वाले	किताब का पूरा अंग्रेज़ी संस्करण भी है। विद्यार्थी अध्याय अंग्रेज़ी में पढ़ सकते हैं और उत्तर किसी भी भाषा में दे सकते हैं। यह शिक्षक पैक अंग्रेज़ी में भी उपलब्ध है।

पाठ के बाद

कोई एक प्रश्न चुनिए जिसका उत्तर विद्यार्थी नहीं दे पाए। पूछिए कि इतिहासकार उसका उत्तर कहाँ ढूँढ़ेगा। इससे सीधे पाठ “हमें कैसे पता?” की ओर जाया जा सकता है।

पहला अंक: योजना

शाहजहाँपुर, 9 अगस्त 1925 से पहले

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

क. सही या ग़लत

एक पर गोला लगाइए। हर ग़लत वाक्य के लिए तालिका के नीचे की पंक्ति पर सही तथ्य लिखिए।

1	राम प्रसाद अपनी कविताओं पर “बिस्मिल” नाम से दस्तख़त करते थे।	सही / ग़लत
2	जब राम प्रसाद अंग्रेज़ी स्कूल में गए तो उनके पिता ख़ुश थे।	सही / ग़लत
3	अशफ़ाक़उल्ला ख़ान अपने परिवार में सबसे छोटे बच्चे थे।	सही / ग़लत
4	अशफ़ाक़ ने ट्रेन की योजना के खिलाफ़ बहस की, फिर अपने दोस्तों के साथ रहे।	सही / ग़लत
5	समूह ने 8 अगस्त 1925 को शाहजहाँपुर में योजना तय करने के लिए बैठक की।	सही / ग़लत
6	समूह को बंदूकों, पर्चों और सफ़र के लिए पैसे चाहिए थे।	सही / ग़लत

ख. घटनाओं का क्रम

इन्हें क्रम में लगाइए। 1 से 5 लिखिए।

	राम प्रसाद को फ़रार घोषित किया गया, यानी ऐसा वांछित आदमी जो मिल नहीं रहा।
	राम प्रसाद अंग्रेज़ी राज से लड़ने की प्रतिज्ञा करते हैं।
	कानपुर की एक बैठक में एचआरए का नाम रखा जाता है।
	राम प्रसाद पर्चा “देशवासियों के नाम संदेश” छापते हैं।
	शाहजहाँपुर में दल रेल की योजना पर फ़ैसला करने के लिए मिलता है।

ग. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 एचआरए	A. राम प्रसाद का शुरू किया हुआ एक गुप्त समूह
2 मेरा जन्म	B. हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन, गुप्त समूह
3 आर्य समाज	C. कविता की महफ़िल
4 मुशायरा	D. राम प्रसाद की एक कविता, “मेरा जन्म”
5 मातृवेदी	E. एक हिंदू सुधार आंदोलन

घ. सोचिए और लिखिए

1. कहानी कहती है कि नदी वाली बच निकलने की बात बाद की कहानियों से आई है और उसकी कोई पुलिस रिपोर्ट नहीं है। एक इतिहासकार को ऐसी कहानी के साथ कैसा बर्ताव करना चाहिए?

2. थाली बाँटने की कहानी बहुत बाद में लिखी गई एक जीवनी से आती है। किताब फिर भी उसे क्यों सुनाती है, और यह किस तरह सुनाई गई है इससे क्या पता चलता है?

3. अशफ़ाक़ ने योजना का विरोध किया और फिर भी साथ चले गए। क्या यह वफ़ादारी है या कुछ और? अपनी राय समझाइए।

4. रेलगाड़ी लूटकर दल क्या पाना चाहता था?

स्रोत जामूस

थाली वाली कहानी। एक जीवनी कहती है कि राम और अशफ़ाक़ एक ही थाली में खाते थे और अशफ़ाक़ अपने दोस्त को “राम” कहकर बुलाते थे। यह जीवनी बहुत सालों बाद लिखी गई थी। उस समय का कोई पत्र या डायरी इसे साबित नहीं करती।

क्या यह कहानी साबित है, या बाद में सुनाई गई? किताब फिर भी इसे क्यों शामिल करती है?

दूसरा अंक: रात

काकोरी के पास, 9 अगस्त 1925

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

क. सही या ग़लत

एक पर गोला लगाइए। हर ग़लत वाक्य के लिए तालिका के नीचे की पंक्ति पर सही तथ्य लिखिए।

1	ट्रेन 8 डाउन थी, जो शाहजहाँपुर से लखनऊ जा रही थी।	सही / ग़लत
2	ट्रेन के आदमियों ने यात्रियों से अंदर रहने को कहा।	सही / ग़लत
3	अहमद अली ट्रेन के गार्ड थे।	सही / ग़लत
4	कार्रवाई में लगभग दस आदमी शामिल थे।	सही / ग़लत
5	चंद्रशेखर आज़ाद कुछ दिन बाद गिरफ़्तार हो गए।	सही / ग़लत
6	रोशन सिंह को बमरौली की डकैती के लिए सज़ा हुई।	सही / ग़लत
7	काकोरी इस मुक़दमे की चार डकैतियों में पहली थी।	सही / ग़लत
8	अमीरों के घरों की दो डकैतियों के बाद बिस्मिल ने तय किया कि सिर्फ़ सरकारी पैसा लिया जाएगा।	सही / ग़लत

ख. घटनाओं का क्रम

कार्रवाई के चरणों को उस क्रम में लगाइए जिसमें किताब उन्हें बताती है। 1 से 5 लिखिए।

	आदमी यात्रियों से चिल्लाकर अंदर रहने को कहते हैं।
	कोई आपातकालीन ज़ंजीर खींचता है।
	आदमी हथौड़े से लोहे का संदूक तोड़ते हैं।
	गार्ड को दबोच लिया जाता है और ड्राइवर को इंजन से नीचे धकेल दिया जाता है।
	कुछ आदमी गार्ड के डिब्बे में चढ़ जाते हैं।

ग. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 बमरौली	A. विशेष जज
2 बिचपुरी	B. 25 दिसंबर 1924 को पीलीभीत में डकैती
3 द्वारकापुर	C. एक वकील जो ट्रेन में यात्री थे
4 अहमद अली	D. मार्च 1925 में पीलीभीत में डकैती
5 हैमिल्टन	E. मई 1925 में प्रतापगढ़ में डकैती

घ. सोचिए और लिखिए

1. यात्रियों को अंदर रहने को कहा गया और भरोसा दिलाया गया कि वे सुरक्षित हैं। आपको क्या लगता है, दल यह क्यों कहना चाहता था?

2. जिसे गोली चलाने वाला बताया गया, उसे चौदह साल मिले; जिसे नेता बताया गया, उन लाहिड़ी को फाँसी की सज़ा मिली। क्या यह उचित लगता है? तय करने के लिए आपको क्या जानना होगा?

3. काकोरी मामले में किसी आदमी को सज़ा मिले और वह काकोरी में ही न रहा हो, यह कैसे हो सकता है?

4. गाड़ी से पहले की लूटों में तीन गाँववाले मारे गए। उन्हें भी याद रखना क्यों ठीक है?

स्रोत जामूस

पैसा। हाईकोर्ट का इतिहास कहता है 4,553 रुपये, 3 आने, 6 पाई। पुलिस रिपोर्ट कहती है 4,601 रुपये, 15 आने, 6 पाई। अंग्रेज़ी विकिपीडिया कहता है लगभग 8,000 रुपये।

स्कूल के निबंध में आप कौन-सा आँकड़ा इस्तेमाल करेंगे? आप क्या लिखेंगे ताकि पाठक भ्रम में न पड़े?

तीसरा अंक: तलाश

1925 से 1927

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

क. सही या ग़लत

एक पर गोला लगाइए। हर ग़लत वाक्य के लिए तालिका के नीचे की पंक्ति पर सही तथ्य लिखिए।

1	पहली पुलिस रिपोर्ट 11 अगस्त 1925 को लिखी गई।	सही / ग़लत
2	रिपोर्ट हिंदी में लिखी गई थी।	सही / ग़लत
3	रिपोर्ट में कहा गया कि 20 से 25 अनजान आदमी शामिल थे।	सही / ग़लत
4	अशफ़ाक़ डाल्टनगंज में छिपे और लोगों से कहा कि वे मथुरा के एक किसान परिवार से हैं।	सही / ग़लत
5	दिल्ली में एक दोस्त ने अशफ़ाक़ को भारत से बाहर जाने में मदद की।	सही / ग़लत
6	पहला मुक़दमा लखनऊ में विशेष जज मिस्टर हैमिल्टन के सामने चला।	सही / ग़लत
7	अशफ़ाक़ पर मुख्य समूह के साथ ही मुक़दमा चला।	सही / ग़लत
8	जज ने 6 अप्रैल 1927 को अपना फ़ैसला दिया।	सही / ग़लत

ख. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 धारा 396	A. अशफ़ाक़ के साथ मुक़दमा चला, उम्रक़ैद हुई
2 डाल्टनगंज	B. ग़िरफ़्तारी का लूट का क़ानून, जिसमें किसी की जान जाती है
3 जगत नारायण	C. वकील जो उन अभियुक्तों के लिए खड़े हुए जिनका कोई नहीं था
4 सी. बी. गुप्ता और एच. एन. मिश्र	D. वह शहर जहाँ अशफ़ाक़ ने क्लर्क का काम किया
5 बख़्शी	E. सरकार का रखा हुआ मशहूर वकील

ग. सोचिए और लिखिए

1. रिपोर्ट कहती है कि 20 से 25 अज्ञात लुटेरे थे। असल में लगभग दस थे। इससे शुरुआती पुलिस रिपोर्टों के बारे में क्या पता चलता है?

2. अशफ़ाक़ का मालिक उर्दू कविता का शौकीन था और उसने उनकी तनख़्वाह बढ़ा दी। इससे उनकी दोहरी ज़िंदगी के बारे में क्या पता चलता है?

3. अध्याय उन बहुत-से आँकड़ों की सूची देता है जो पुराने रिकॉर्ड अलग-अलग देते हैं। एक चुनिए और समझाइए कि आप उसे कैसे सुलझाने की कोशिश करेंगे।

4. अभियुक्तों पर लूटों के साथ-साथ साज़िश का मुकदमा क्यों चलाया गया?

स्रोत जामूस

मुकदमा शुरू होता है। एक किताब कहती है कि मुकदमा 4 जनवरी 1926 को शुरू हुआ। अंग्रेज़ी विकिपीडिया कहता है 1 मई 1926। अदालत का इतिहास कहता है कि मुकदमा “लगभग 8 महीने” चला। फ़ैसला 6 अप्रैल 1927 को आया।

हर शुरूआती तारीख से फ़ैसले तक के महीने गिनीए। “लगभग 8 महीने” के बारे में आपने क्या देखा?

चौथा अंक और उपसंहार: आखिरी दिन

दिसंबर 1927 और उसके बाद

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

क. सही या ग़लत

एक पर गोला लगाइए। हर ग़लत वाक्य के लिए तालिका के नीचे की पंक्ति पर सही तथ्य लिखिए।

1	वायसराय को दिए ज्ञापन पर केंद्रीय विधायिका के 78 सदस्यों ने दस्तखत किए।	सही / ग़लत
2	मुहम्मद अली जिन्ना और मदन मोहन मालवीय, दोनों ने उस पर अपने नाम दिए।	सही / ग़लत
3	वायसराय लॉर्ड इरविन चारों की जान बख़्शने को राज़ी हो गए।	सही / ग़लत
4	राजेंद्र लाहिड़ी को 17 दिसंबर 1927 को, बाकियों से दो दिन पहले, फाँसी दी गई।	सही / ग़लत
5	बिस्मिल ने गोरखपुर जेल में कागज़ के टुकड़ों पर अपनी जीवन-कहानी लिखी।	सही / ग़लत
6	बिस्मिल को फ़ैज़ाबाद में फाँसी दी गई।	सही / ग़लत
7	फाँसी के समय अशफ़ाक़उल्ला ख़ान 27 साल के थे।	सही / ग़लत
8	2006 की फ़िल्म रंग दे बसंती जो हुआ था उसका ठीक-ठीक रिकॉर्ड है।	सही / ग़लत

ख. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 गोरखपुर	A. वायसराय को ज्ञापन लिखा
2 फ़ैज़ाबाद	B. बिस्मिल को यहाँ फाँसी दी गई
3 इलाहाबाद	C. राजेंद्र लाहिड़ी को यहाँ फाँसी दी गई
4 गोंडा	D. अशफ़ाक़उल्ला ख़ान को यहाँ फाँसी दी गई
5 मालवीय	E. रोशन सिंह को यहाँ फाँसी दी गई

ग. सोचिए और लिखिए

1. मालवीय और जिन्ना अलग-अलग पार्टियों और धर्मों के थे, फिर भी दोनों ने दस्तखत किए। इससे क्या पता चलता है?

2. फाँसी की तारीख आगे खिसकाने की क्या वजह बताई जाती है, और कहानी क्यों कहती है कि वह साबित नहीं की जा सकती?

3. कहानी कहती है कि दो स्तंभ रखिए: जो कई स्रोत कहते हैं, और जो सिर्फ़ एक स्रोत कहता है। इसे किसी एक अंश पर आजमाइए।

4. बिस्मिल ने अपनी बहादुरी के कारनामों के साथ अपनी गलतियों और शकों के बारे में भी लिखा। इससे उनकी किताब ज़्यादा भरोसेमंद क्यों बनती है?

5. कहानी के अनुसार फ़िल्म "इतिहास नहीं" क्यों है, और फिर भी वह उपयोगी क्यों हो सकती है?

स्रोत जासूस

रोशन सिंह का पत्र। उनके आखिरी पत्र का एक रूप 13 दिसंबर 1927 की तारीख़ का है। ज़्यादा लंबा रूप 6 दिसंबर का है। दोनों कहते हैं कि उन्हें एक हफ़्ते के भीतर फाँसी होगी। असली पत्र किसी ने नहीं देखे।

कौन-सी तारीख़ "एक हफ़्ते के भीतर" से बेहतर मेल खाती है? क्या हम पक्के हो सकते हैं? समझाइए।

गोली किसने चलाई? हमें कैसे पता?

समय: 45 मिनट। **ज़रूरत:** विद्यार्थियों के पत्रे (3 पत्रे, हर विद्यार्थी या जोड़ी के लिए एक)। विद्यार्थियों को किताब खोलने की ज़रूरत नहीं, हालाँकि उन्होंने पहले अध्याय 5 पढ़ा हो सकता है।

विद्यार्थी क्या सीखेंगे: स्रोत वह है जहाँ से हमें कुछ पता चलता है। स्रोत सहमत हो सकते हैं, अलग हो सकते हैं, या कुछ नहीं कह सकते। सावधान लेखक बताता है कि हर स्रोत क्या कहता है और हम कितने यकीन से कह सकते हैं।

पाठ कैसे चलाएँ

5 मिनट	शुरुआत	अध्याय 5 की शुरुआत ज़ोर से पढ़िए। पूछिए: गोली किसने चलाई? बिना टिप्पणी के अंदाज़े लीजिए, फिर कहिए: “आइए देखें कि हम क्या जान सकते हैं।”
10 मिनट	चरण 1 और 2	विद्यार्थी जोड़ियों में पाँचों कार्ड पढ़ें और तालिका भरें। घूमकर देखिए। बताइए कि कार्ड E लाहिड़ी के बारे में है, गोली के बारे में नहीं।
10 मिनट	चरण 3 और 4	उत्तर साझा कीजिए। स्वतंत्रता का प्रश्न उभारिए: अगर दूसरे स्रोत ने पहले की नक़ल की है तो एक जैसी बात कहने वाले दो स्रोत दो प्रमाण नहीं हैं। अध्यायों में नहीं लिखा कि हिंदी वर्णन और विकिपीडिया का स्रोत एक है या नहीं, इसलिए विद्यार्थी बताएँ कि वे क्या जाँचेंगे।
10 मिनट	चरण 5	विद्यार्थी दावों पर लेबल लगाएँ। हर बार कारण पूछिए। लेबल से ज़्यादा कारण मायने रखता है।
10 मिनट	चरण 6 और समापन पर्ची	विद्यार्थी अपना सावधान वाक्य लिखें। दो-तीन अपना वाक्य ज़ोर से पढ़ें। समापन पर्चियाँ इकट्ठा कीजिए।

उत्तर

चरण 2 की तालिका। A: डिब्बे से बाहर निकलने के बाद गोली; किसी का नाम नहीं; दुर्घटना नहीं कहता। B: गुप्त की गोली; गुप्त का नाम; दुर्घटना। C: माउज़र थमाए जाने के बाद गुप्त ने जल्दबाज़ी में गोली चलाई; गुप्त का नाम; “जोश और जल्दबाज़ी”, जिसे विद्यार्थी दुर्घटना पढ़ सकते हैं। D: अचानक चली गोली; किसी का नाम नहीं; दुर्घटना। E: लाहिड़ी के बारे में, गोली चलाने वाले के बारे में नहीं; नहीं; नहीं।

चरण 3। सहमति: अहमद अली नाम के वकील अपने डिब्बे से बाहर निकले, उन्हें गोली लगी और उनकी मौत हुई। कमी: अदालत का इतिहास नहीं बताता कि गोली किसने चलाई। स्वतंत्रता के प्रश्न पर अच्छे उत्तर कहेंगे कि वे हर स्रोत के पहले के स्रोत को ढूँढ़ेंगे।

चरण 4। नहीं। अध्याय कहते हैं कि स्रोत यह नहीं समझाते कि सज़ाएँ अलग क्यों थीं। अच्छा उत्तर पूरा फ़ैसला, सुने गए सबूत, और नेता तथा गोली चलाने वाले पर जज के लगाए क़ानून को माँगेगा। विद्यार्थियों को अंदाज़े से ख़ाली जगह भरकर उसे तथ्य कहने न दें।

चरण 5 के मुझाए लेबल

दावा	मुझाया गया लेबल और कारण
अहमद अली नाम के वकील को डिब्बे से बाहर निकलने के बाद गोली लगी।	अच्छी तरह प्रमाणित। कई स्रोत यही कहते हैं, अदालत का इतिहास भी।
गोली ग़लती से चली।	शायद सच। अंग्रेज़ी विकिपीडिया, हिंदी वर्णन और अख़बार, तीनों यही कहते हैं। अदालत का इतिहास चुप है।
गोली मन्मथनाथ गुप्त ने चलाई।	दो स्रोत कहते हैं (अंग्रेज़ी विकिपीडिया और हिंदी वर्णन)। अदालत का इतिहास किसी का नाम नहीं लेता। इसे “का नाम लिया गया है” कहकर बताइए, साबित हुआ नहीं।
गोली राजेंद्र लाहिड़ी ने चलाई।	कोई प्रमाण नहीं। यहाँ कोई स्रोत ऐसा नहीं कहता। जज ने उन्हें नेता के नाते ज़िम्मेदार माना, जो एक अलग दावा है।

यात्रियों से चिल्लाकर कहे गए ठीक-ठीक शब्द मालूम हैं।

पता नहीं। दो किताबें चेतावनी को अलग-अलग शब्दों में देती हैं। दोनों मानती हैं कि यात्रियों से अंदर रहने को कहा गया था।

चरण 6 का नमूना वाक्य

अंग्रेज़ी विकिपीडिया के अनुसार अहमद अली को मारने वाली गोली मन्मथनाथ गुप्त से गलती से चली। इलाहाबाद हाईकोर्ट का इतिहास केवल इतना कहता है कि अहमद अली को डिब्बे से बाहर निकलने के बाद गोली लगी।

कक्षा में इसे कैसे सँभालें

गुप्त एक असली इंसान थे जिन्हें चौदह साल की सज़ा हुई। विद्यार्थियों से “का नाम लिया गया है” कहलवाइए, “उसने किया” नहीं। मकसद जाँच करने की आदत है, कोई फ़ैसला सुनाना नहीं। अहमद अली एक असली आदमी थे जिनकी मौत हुई। उन्हें सिर्फ़ एक घटना नहीं, एक इंसान की तरह याद रखिए।

गोली किसने चलाई? हमें कैसे पता?

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

9 अगस्त 1925 की रात काकोरी के पास अहमद अली नाम के एक वकील को गोली मारी गई और उनकी मौत हो गई। अलग-अलग स्रोत कहानी के इस हिस्से को अलग-अलग ढंग से बताते हैं। आपका काम इतिहासकार की तरह पढ़ना है: हर स्रोत जो कहता है, बस वही कहिए, उससे ज़्यादा नहीं।

चरण 1. पाँच स्रोत पढ़िए

A

अदालत का इतिहास

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लखनऊ की अदालतों और इस मुकदमे के बारे में लिखा।

वकील अहमद अली चेतावनी मिलने के बाद भी अपने डिब्बे से बाहर निकले। उन्हें गोली लगी और उनकी मौत हो गई। इतिहास यह नहीं बताता कि गोली किसकी थी।

B

अंग्रेज़ी विकिपीडिया

स्वयंसेवकों द्वारा लिखा गया एक ऑनलाइन विश्वकोश।

गोली नौजवानों में से एक, मन्मथनाथ गुप्त, से गलती से चल गई। गुप्त को बाद में चौदह साल की जेल की सज़ा हुई।

C

एक हिंदी वर्णन

कहानी का हिंदी वर्णन, जिसमें ज़्यादा ब्योरा है।

किसी ने गुप्त को एक माउज़र पिस्तौल थमा दी, ताकि उनका साथी दोनों हाथों से हथौड़े से तिजोरी तोड़ सके। गुप्त ने जोश और जल्दबाज़ी में गोली चला दी। गोली अहमद अली को लगी और वे वहीं मर गए।

D

एक अख़बार की रिपोर्ट

हिंदुस्तान टाइम्स, 2024 में पुरानी पुलिस रिपोर्ट के बारे में लिखते हुए।

वह इसे अचानक चली गोली कहता है। वह किसी का नाम नहीं लेता।

E

जज के शब्द, जैसे एक किताब में छपे हैं

6 अप्रैल 1927 को जज हैमिल्टन का फैसला, जो नेशनल बुक ट्रस्ट की एक किताब में उद्धृत है। कौन-से शब्द छापने हैं, यह जज ने नहीं, किताब के लेखक ने चुना।

राजेंद्र लाहिड़ी के बारे में: वे साज़िश के नेताओं में से एक थे, और नेता होने के नाते वे “अहमद अली की मौत के ज़िम्मेदार” थे।

चरण 2. तालिका भरिए

स्रोत	अहमद अली के साथ क्या हुआ, यह वह क्या कहता है	क्या गोली चलाने वाले का नाम लेता है?	क्या दुर्घटना कहता है?
A			
B			
C			
D			
E			

चरण 3. स्रोतों को साथ रखकर देखिए

1. सभी स्रोत किस बात पर सहमत हैं?

2. कमी कहाँ है? कौन-सा स्रोत दूसरों से कम कहता है, और किस बारे में?

3. दो स्रोत गुप्त का नाम लेते हैं। क्या इससे बात पक्की हो जाती है? इस पर सोचिए: क्या हमें पता है कि उन्हें जानकारी एक ही जगह से मिली? आप क्या जाँचना चाहेंगे?

चरण 4. सज़ाएँ

4. गोली चलाने वाले के रूप में जिनका नाम लिया गया, उन गुप्त को चौदह साल की सज़ा हुई। नेता के रूप में जिनका नाम लिया गया, उन लाहिड़ी को मौत की सज़ा हुई। क्या स्रोत इसका कारण बताते हैं? लिखिए कि यह उचित था या नहीं, यह कहने से पहले आपको क्या पता करना होगा।

चरण 5. हम कितने यकीन से कह सकते हैं?

हर दावे के लिए एक लेबल चुनिए: अच्छी तरह प्रमाणित, शायद सच, कुछ स्रोत कहते हैं, पता नहीं, कोई प्रमाण नहीं। कारण कुछ शब्दों में लिखिए।

दावा	लेबल	कारण
अहमद अली नाम के वकील को डिब्बे से बाहर निकलने के बाद गोली लगी।		
गोली गलती से चली।		
गोली मन्मथनाथ गुप्त ने चलाई।		
गोली राजेंद्र लाहिड़ी ने चलाई।		
यात्रियों से चिल्लाकर कहे गए ठीक-ठीक शब्द मालूम हैं।		

चरण 6. एक सावधान वाक्य लिखिए

स्कूल की इतिहास-पुस्तिका के लिए एक-दो वाक्य लिखिए कि गोली किसने चलाई। नियम: अपने स्रोत का नाम लिखिए। “कहता है” या “नाम लेता है” जैसे शब्द इस्तेमाल कीजिए। स्रोत जो नहीं कहता, वह मत जोड़िए।

समापन पर्याी। एक बात जिस पर स्रोत सहमत हैं: _____

एक बात जिस पर वे सहमत नहीं: _____

कहानी को क्रम में लगाइए

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

ये सोलह घटनाएँ गलत क्रम में हैं। इन्हें 1 (सबसे पहले) से 16 (सबसे बाद में) तक क्रम दीजिए। फिर हर घटना के बाद की पंक्ति पर वे तारीखें लिखिए जो आपको किताब में मिलें। दो घटनाओं की तारीखों पर स्रोत असहमत हैं। उन पर तारा लगाइए।

	लखनऊ में मुकदमा शुरू होता है। तारीख पर स्रोत असहमत हैं।	
	शाहजहाँपुर में दल रेल की योजना पर फ़ैसला करने के लिए मिलता है।	
	राजेंद्र लाहिड़ी को गोंडा में दो दिन पहले ही फाँसी दे दी जाती है।	
	एक ही दिन नौ आदमी गिरफ़्तार, जिनमें रोशन सिंह भी।	
	कानपुर की एक बैठक में समूह का नाम हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन रखा जाता है।	
	जज अपना फ़ैसला सुनाता है: तीन को मौत की सज़ा, पंद्रह को जेल।	
	घरों में दो और डकैतियाँ बिचपुरी और द्वारकापुर। हर एक में एक आदमी की मौत होती है।	
	आखिरी अपील प्रिवी काउंसिल और सम्राट के पास जाती है। वह ठुकरा दी जाती है।	
	काकोरी थाने में पुलिस रिपोर्ट उर्दू में लिखी जाती है।	
	बिस्मिल, रोशन सिंह और अशफ़ाक़उल्ला ख़ान को फाँसी दी जाती है।	
	लाहिड़ी कलकत्ता में एक गुप्त बम कारख़ाने में गिरफ़्तार होते हैं।	
	पीलीभीत में बमरौली की डकैती। लुटेरों के सामने डटने वाला एक पहलवान मारा जाता है।	
	अशफ़ाक़उल्ला एक साल से ज़्यादा फ़रार रहने के बाद दिल्ली में गिरफ़्तार होते हैं।	
	काकोरी के पास 8 डाउन रोकी जाती है। अहमद अली की मौत होती है।	
	चीफ़ कोर्ट मौत की सज़ाएँ बनाए रखता है। तारीख पर स्रोत असहमत हैं।	
	बिस्मिल शाहजहाँपुर में गिरफ़्तार।	

बारह सवाल

नाम: _____ कक्षा: _____ तारीख: _____

सबसे अच्छे उत्तर का अक्षर गोल घेरिए।

- काकोरी के पास जो गाड़ी रोक दी गई, उसका नंबर क्या था?
A. 8 डाउन B. 12 अप C. नंबर 3
- मन्मथनाथ गुप्त को किसका माउज़र पिस्तौल थमाया गया था?
A. बिस्मिल की B. अशफ़ाक़उल्ला ख़ान की C. आज़ाद की
- यात्रियों से क्या कहा गया?
A. उतरकर भाग जाओ B. अंदर रहो, क्योंकि सिर्फ़ सरकारी पैसा चाहिए C. अपना सामान दे दो
- अहमद अली का पेशा क्या था?
A. ट्रेन का गार्ड B. पुलिसवाला C. वकील
- फाँसी पाने वाले चारों में से किसके बारे में दो स्रोत कहते हैं कि वह गाड़ी पर नहीं था?
A. रोशन सिंह B. लाहिड़ी C. बिस्मिल
- रोशन सिंह को किस लूट के लिए सज़ा मिली?
A. काकोरी B. बमरौली C. द्वारकापुर
- पहली पुलिस रिपोर्ट किस भाषा में लिखी गई थी?
A. अंग्रेज़ी B. हिंदी C. उर्दू
- मुक़दमे में सरकार का वकील कौन था?
A. पंडित जगत नारायण B. सी. बी. गुप्ता C. गोविंद बल्लभ पंत
- केंद्रीय विधायिका के कितने सदस्यों ने वायसराय के नाम ज़ापन पर दस्तख़त किए?
A. 18 B. 78 C. 108
- चारों में से किसे सबसे पहले, 17 दिसंबर 1927 को, फाँसी हुई?
A. राजेंद्र लाहिड़ी B. रोशन सिंह C. अशफ़ाक़उल्ला ख़ान
- डाल्टनगंज में छिपते समय अशफ़ाक़उल्ला क्या काम करते थे?
A. शिक्षक B. क्लर्क C. किसान
- गोरखपुर जेल में बिस्मिल ने अपनी ज़िंदगी की कहानी किस पर लिखी?
A. कागज़ के टुकड़े B. जिल्द वाली डायरी C. टाइपराइटर

अंक: _____ / 12

पहला अंक: योजना

शाहजहाँपुर, 9 अगस्त 1925 से पहले

क. सही या ग़लत

1	राम प्रसाद अपनी कविताओं पर “बिस्मिल” नाम से दस्तख़त करते थे।	सही
2	जब राम प्रसाद अंग्रेज़ी स्कूल में गए तो उनके पिता ख़ुश थे।	ग़लत
3	अशफ़ाक़उल्ला ख़ान अपने परिवार में सबसे छोटे बच्चे थे।	सही
4	अशफ़ाक़ ने ट्रेन की योजना के खिलाफ़ बहस की, फिर अपने दोस्तों के साथ रहे।	सही
5	समूह ने 8 अगस्त 1925 को शाहजहाँपुर में योजना तय करने के लिए बैठक की।	सही
6	समूह को बंदूकों, पर्चों और सफ़र के लिए पैसे चाहिए थे।	सही

सुधार: 2. उनके पिता को यह विचार पसंद नहीं था।

ख. घटनाओं का क्रम

इन्हें क्रम में लगाइए। 1 से 5 लिखिए।

3	राम प्रसाद को फ़रार घोषित किया गया, यानी ऐसा वांछित आदमी जो मिल नहीं रहा।
1	राम प्रसाद अंग्रेज़ी राज से लड़ने की प्रतिज्ञा करते हैं।
4	कानपुर की एक बैठक में एचआरए का नाम रखा जाता है।
2	राम प्रसाद पर्चा “देशवासियों के नाम संदेश” छापते हैं।
5	शाहजहाँपुर में दल रेल की योजना पर फ़ैसला करने के लिए मिलता है।

ग. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 एचआरए	B A. राम प्रसाद का शुरू किया हुआ एक गुप्त समूह
2 मेरा जन्म	D B. हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन, गुप्त समूह
3 आर्य समाज	E C. कविता की महफ़िल
4 मुशायरा	C D. राम प्रसाद की एक कविता, “मेरा जन्म”
5 मातृवेदी	A E. एक हिंदू सुधार आंदोलन

घ. सोचिए और लिखिए

1. कहानी कहती है कि नदी वाली बच निकलने की बात बाद की कहानियों से आई है और उसकी कोई पुलिस रिपोर्ट नहीं है। एक इतिहासकार को ऐसी कहानी के साथ कैसा बर्ताव करना चाहिए?

इसे बाद की सुनी-सुनाई कहानी मानिए। अध्याय कहता है कि नदी वाला भागना बाद के वर्णनों से आया है और इसकी कोई पुलिस रिपोर्ट नहीं मिली। इतिहासकार इसे “कहा जाता है कि हुआ” लिखता है, तथ्य की तरह नहीं।

2. थाली बाँटने की कहानी बहुत बाद में लिखी गई एक जीवनी से आती है। किताब फिर भी उसे क्यों सुनाती है, और यह किस तरह सुनाई गई है इससे क्या पता चलता है?

किताब इसे इसलिए बताती है कि इससे दिखता है कि लोग इस दोस्ती को कैसे याद करते हैं। अध्याय इसे बहुत साल बाद लिखी जीवनी की कहानी बताता है। उस समय का कोई पत्र या डायरी नहीं है।

3. अशफ़ाक़ ने योजना का विरोध किया और फिर भी साथ चले गए। क्या यह वफ़ादारी है या कुछ और? अपनी राय समझाइए।

खुला उत्तर। अच्छे उत्तर तथ्यों का सहारा लेते हैं: उन्होंने योजना का विरोध किया, फिर भी दोस्तों के साथ चले। कुछ इसे वफ़ादारी कहेंगे, कुछ कहेंगे कि उन्हें अलग हो जाना चाहिए था। जो भी राय कारण के साथ दी जाए, उसे मानिए।

4. रेलगाड़ी लूटकर दल क्या पाना चाहता था?

बंदूकों, पर्चे छपवाने और शहर-शहर सफ़र के लिए पैसा। उनका सोचना था कि ट्रेन का सरकारी पैसा असल में भारत का ही पैसा था।

स्रोत जामूस: थाली वाली कहानी।

बाद में सुनाई गई। कोई कहानी प्यारी हो सकती है और फिर भी उसे बाद की सुनी-सुनाई कहानी के रूप में चिह्नित किया जा सकता है। किताब इसे इसलिए रखती है कि इससे दिखता है कि लोग दोस्ती को कैसे याद करते हैं, और साफ़ बताती है कि यह कहाँ से आई है।

दूसरा अंक: रात

काकोरी के पास, 9 अगस्त 1925

क. सही या ग़लत

1	ट्रेन 8 डाउन थी, जो शाहजहाँपुर से लखनऊ जा रही थी।	सही
2	ट्रेन के आदमियों ने यात्रियों से अंदर रहने को कहा।	सही
3	अहमद अली ट्रेन के गार्ड थे।	ग़लत
4	कार्रवाई में लगभग दस आदमी शामिल थे।	सही
5	चंद्रशेखर आज़ाद कुछ दिन बाद गिरफ़्तार हो गए।	ग़लत
6	रोशन सिंह को बमरौली की डकैती के लिए सज़ा हुई।	सही
7	काकोरी इस मुक़दमे की चार डकैतियों में पहली थी।	ग़लत
8	अमीरों के घरों की दो डकैतियों के बाद बिस्मिल ने तय किया कि सिर्फ़ सरकारी पैसा लिया जाएगा।	सही

सुधार: 3. अहमद अली वकील थे। 5. आज़ाद कभी गिरफ़्तार नहीं हुए। 7. काकोरी चौथी, यानी आखिरी थी।

ख. घटनाओं का क्रम

कार्रवाई के चरणों को उस क्रम में लगाइए जिसमें किताब उन्हें बताती है। 1 से 5 लिखिए।

3	आदमी यात्रियों से चिल्लाकर अंदर रहने को कहते हैं।
1	कोई आपातकालीन जंजीर खींचता है।
5	आदमी हथौड़े से लोहे का संदूक तोड़ते हैं।
2	गार्ड को दबोच लिया जाता है और ड्राइवर को इंजन से नीचे धकेल दिया जाता है।
4	कुछ आदमी गार्ड के डिब्बे में चढ़ जाते हैं।

ग. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम		यह क्या है
1	बमरौली	B A. विशेष जज
2	बिचपुरी	D B. 25 दिसंबर 1924 को पीलीभीत में डकैती
3	द्वारकापुर	E C. एक वकील जो ट्रेन में यात्री थे
4	अहमद अली	C D. मार्च 1925 में पीलीभीत में डकैती
5	हैमिल्टन	A E. मई 1925 में प्रतापगढ़ में डकैती

घ. सोचिए और लिखिए

- यात्रियों को अंदर रहने को कहा गया और भरोसा दिलाया गया कि वे सुरक्षित हैं। आपको क्या लगता है, दल यह क्यों कहना चाहता था?
ताकि यात्री अंदर रहें और रास्ते से दूर रहें। समूह को सिर्फ सरकार का पैसा चाहिए था और उसने यह कहा भी।
- जिसे गोली चलाने वाला बताया गया, उसे चौदह साल मिले, जिसे नेता बताया गया, उन लाहिड़ी को फाँसी की सज़ा मिली। क्या यह उचित लगता है? तय करने के लिए आपको क्या जानना होगा?
खुला उत्तर, पर तथ्यों पर टिका। गोली चलाने वाले के रूप में जिनका नाम लिया गया, उन गुप्त को चौदह साल मिले। जज ने जिन लाहिड़ी को नेता और “मौत का ज़िम्मेदार” कहा, उन्हें मौत की सज़ा हुई। अध्याय कहता है कि स्रोत यह नहीं समझाते कि सज़ाएँ इतनी अलग क्यों थीं, इसलिए सावधान विद्यार्थी बताता है कि और क्या चाहिए (खुद फ़ैसला)।
- काकोरी मामले में किसी आदमी को सज़ा मिले और वह काकोरी में ही न रहा हो, यह कैसे हो सकता है?
काकोरी मामले ने चार डकैतियों को एक मुक़दमे में जोड़ दिया। रोशन सिंह पर बमरौली की डकैती का मुक़दमा चला, जिसमें एक आदमी मारा गया था। दो स्रोत कहते हैं कि वे ट्रेन पर नहीं थे।
- गाड़ी से पहले की लूटों में तीन गाँववाले मारे गए। उन्हें भी याद रखना क्यों ठीक है?
उनकी भी मौत हुई। निष्पक्ष कहानी दोनों को देखती है: नौजवानों का देश-प्रेम और वे लोग जिन्होंने अपनी जान गँवाई।

स्रोत जामूस: पैसा।

कोई भी सावधान उत्तर ठीक है। अच्छा उत्तर स्रोतों के नाम लेता है और सीमा बताता है: “अदालत का इतिहास 4,553 रुपये, पुलिस रिपोर्ट 4,601, और एक विश्वकोश लगभग 8,000 बताता है। स्रोत सहमत नहीं हैं।” विद्यार्थियों को एक चुनकर बाक़ी छिपाना नहीं चाहिए।

तीसरा अंक: तलाश

1925 से 1927

क. सही या ग़लत

1	पहली पुलिस रिपोर्ट 11 अगस्त 1925 को लिखी गई।	सही
2	रिपोर्ट हिंदी में लिखी गई थी।	ग़लत
3	रिपोर्ट में कहा गया कि 20 से 25 अनजान आदमी शामिल थे।	सही
4	अशफ़ाक़ डाल्टनगंज में छिपे और लोगों से कहा कि वे मथुरा के एक किसान परिवार से हैं।	सही
5	दिल्ली में एक दोस्त ने अशफ़ाक़ को भारत से बाहर जाने में मदद की।	ग़लत
6	पहला मुक़दमा लखनऊ में विशेष जज मिस्टर हैमिल्टन के सामने चला।	सही
7	अशफ़ाक़ पर मुख्य समूह के साथ ही मुक़दमा चला।	ग़लत
8	जज ने 6 अप्रैल 1927 को अपना फ़ैसला दिया।	सही

सुधार: 2. रिपोर्ट उर्दू में लिखी गई थी और बाद में उसका हिंदी अनुवाद हुआ। 5. दोस्त ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। 7. अशफ़ाक़ पर अलग से, सर्चीद्रनाथ बख़्शी के साथ मुक़दमा चला।

ख. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम	यह क्या है
1 धारा 396	B A. अशफ़ाक़ के साथ मुक़दमा चला, उम्रक़ैद हुई
2 डाल्टनगंज	D B. गिरोह की लूट का क़ानून, जिसमें किसी की जान जाती है
3 जगत नारायण	E C. वकील जो उन अभियुक्तों के लिए खड़े हुए जिनका कोई नहीं था
4 सी. बी. गुप्ता और एच. एन. मिश्र	C D. वह शहर जहाँ अशफ़ाक़ ने क्लर्क का काम किया
5 बख़्शी	A E. सरकार का रखा हुआ मशहूर वकील

ग. सोचिए और लिखिए

- रिपोर्ट कहती है कि 20 से 25 अज्ञात लुटेरे थे। असल में लगभग दस थे। इससे शुरुआती पुलिस रिपोर्टों के बारे में क्या पता चलता है?
शुरुआती रिपोर्टें जल्दी में, उन लोगों द्वारा लिखी जाती हैं जिन्हें अभी तथ्य नहीं पता। पुलिस ने “20 से 25 अनजान आदमी” लिखा, पर लगभग दस थे। पहली रिपोर्टें ग़लत हो सकती हैं, फिर भी काम की होती हैं।
- अशफ़ाक़ का मालिक उर्दू कविता का शौकीन था और उसने उनकी तनख़्वाह बढ़ा दी। इससे उनकी दोहरी ज़िंदगी के बारे में क्या पता चलता है?
दिन में वे मथुरा के एक क्लर्क थे, झूठे नाम के साथ। दिल में वे अब भी कवि और क्रांतिकारी थे। उनके मालिक को उर्दू शायरी पसंद थी और उन्हें उनके शेर अच्छे लगे, इसलिए छिपे रहकर भी वे लिखते रहे। जो भी उत्तर दोनों ज़िंदगियों को देखे, उसे मानिए।
- अध्याय उन बहुत-से आँकड़ों की सूची देता है जो पुराने रिकॉर्ड अलग-अलग देते हैं। एक चुनिए और समझाइए कि आप उसे कैसे सुलझाने की कोशिश करेंगे।
खुला उत्तर। एक अच्छी योजना: घटना के सबसे करीब का स्रोत (अदालती रिकॉर्ड) ढूँढ़ो, दोनों तारीखों की तुलना करो, और अगर कुछ तय न कर सके तो दोनों दिखाओ। उदाहरण: मुक़दमा 4 जनवरी 1926 (नेशनल बुक ट्रस्ट की किताब) या 1 मई 1926 (अंग्रेज़ी विकिपीडिया) को शुरू हुआ।

4. अभियुक्तों पर लूटों के साथ-साथ साज़िश का मुक़दमा क्यों चलाया गया?

पुलिस ने देखा कि कई जुर्म की जगहों पर पिस्तौलें और गोलियाँ एक जैसी थीं, और ट्रेन की लूट अनोखी थी। उसने तय किया कि यह किसी समूह की योजना है। आरोप थे: अंग्रेज़ी राज को ख़त्म करने की साज़िश, और उन डकैतियों में शामिल होना जिनमें लोग मारे गए।

स्रोत जासूस: मुक़दमा शुरू होता है।

4 जनवरी 1926 से 6 अप्रैल 1927 तक लगभग पंद्रह महीने होते हैं। 1 मई 1926 से लगभग ग्यारह। दोनों आठ नहीं हैं। तो “लगभग 8 महीने” शायद सिर्फ़ सुनवाईयों को गिनता है, या ढीला अंदाज़ा है। सीख: एक स्रोत की संख्या ग़लत हो सकती है, इसलिए उसे दूसरों से मिलाइए।

चौथा अंक और उपसंहार: आखिरी दिन

दिसंबर 1927 और उसके बाद

क. सही या ग़लत

1	वायसराय को दिए ज़ापन पर केंद्रीय विधायिका के 78 सदस्यों ने दस्तखत किए।	सही
2	मुहम्मद अली जिन्ना और मदन मोहन मालवीय, दोनों ने उस पर अपने नाम दिए।	सही
3	वायसराय लॉर्ड इरविन चारों की जान बख़्शने को राज़ी हो गए।	ग़लत
4	राजेंद्र लाहिड़ी को 17 दिसंबर 1927 को, बाक़ियों से दो दिन पहले, फाँसी दी गई।	सही
5	बिस्मिल ने गोरखपुर जेल में कागज़ के टुकड़ों पर अपनी जीवन-कहानी लिखी।	सही
6	बिस्मिल को फ़ैज़ाबाद में फाँसी दी गई।	ग़लत
7	फाँसी के समय अशफ़ाक़उल्ला ख़ान 27 साल के थे।	सही
8	2006 की फ़िल्म रंग दे बसंती जो हुआ था उसका ठीक-ठीक रिकॉर्ड है।	ग़लत

सुधार: 3. वायसराय ने मना कर दिया। 6. बिस्मिल को गोरखपुर में फाँसी हुई; अशफ़ाक़ को फ़ैज़ाबाद में। 8. फ़िल्म एक कहानी है, रिकॉर्ड नहीं।

ख. मिलान

डिब्बे में सही अर्थ का अक्षर लिखिए।

शब्द या नाम		यह क्या है
1	गोरखपुर	B A. वायसराय को ज्ञापन लिखा
2	फ़ैज़ाबाद	D B. बिस्मिल को यहाँ फाँसी दी गई
3	इलाहाबाद	E C. राजेंद्र लाहिड़ी को यहाँ फाँसी दी गई
4	गोंडा	C D. अशफ़ाक़उल्ला ख़ान को यहाँ फाँसी दी गई
5	मालवीय	A E. रोशन सिंह को यहाँ फाँसी दी गई

ग. सोचिए और लिखिए

- मालवीय और जिन्ना अलग-अलग पार्टियों और धर्मों के थे, फिर भी दोनों ने दस्तखत किए। इससे क्या पता चलता है?
मालवीय और जिन्ना अलग पार्टियों और अलग धर्मों के थे। इस एक मामले में उनके नाम एक ही पन्ने पर थे। इससे दिखता है कि जो लोग लगभग हर बात पर असहमत थे, वे भी इस पर सहमत हो सके कि इन नौजवानों को फाँसी नहीं होनी चाहिए।
- फाँसी की तारीख आगे खिसकाने की क्या वजह बताई जाती है, और कहानी क्यों कहती है कि वह साबित नहीं की जा सकती?
नेशनल बुक ट्रस्ट की किताब कहती है कि सरकार को छुड़ाए जाने का डर था, और आज़ाद और मन्मथनाथ गुप्त का नाम लेती है। कोई सरकारी रिकॉर्ड या आधिकारिक आदेश नहीं देखा गया। एक और स्रोत कोई कारण नहीं देता। इसलिए तारीखें पता हैं, कारण साबित नहीं है।
- कहानी कहती है कि दो स्तंभ रखिए: जो कई स्रोत कहते हैं, और जो सिर्फ़ एक स्रोत कहता है। इसे किसी एक अंश पर आज़माइए।
खुला, एक उदाहरण के साथ। रोशन सिंह: तीन स्रोत सहमत हैं कि वे गीता लेकर फाँसी के तख़्ते तक गए और “वंदे मातरम्” पुकारा। यह पहले खाने में जाएगा। जेल के फाटक पर भीड़ और नैनी की मूर्ति सिर्फ़ एक स्रोत (वेबदुनिया) से आती हैं। यह दूसरे खाने में जाएगा।

4. बिस्मिल ने अपनी बहादुरी के कारनामों के साथ अपनी गलतियों और शकों के बारे में भी लिखा। इससे उनकी किताब ज़्यादा भरोसेमंद क्यों बनती है?
उन्होंने गलतियों, शंकाओं और डर के बारे में भी लिखा, सिर्फ़ बहादुरी के कामों के बारे में नहीं। जो लेखक अपनी कमियाँ मानता है, उस पर भरोसा करना आसान होता है, बनिस्बत उसके जो सिर्फ़ अपनी तारीफ़ करता है। अध्याय कहता है कि यही किताब को खास बनाता है।
5. कहानी के अनुसार फ़िल्म "इतिहास नहीं" क्यों है, और फिर भी वह उपयोगी क्यों हो सकती है?
फ़िल्म सिनेमा के दर्शकों के लिए बनी कहानी है, इसलिए ब्योरे बदले जा सकते हैं। फिर भी वह लोगों में जिज्ञासा जगा सकती है, और जिज्ञासा शुरुआत की अच्छी जगह है।

स्रोत जामूस: रोशन सिंह का पत्र।

13 दिसंबर बेहतर बैठता है, क्योंकि 19 दिसंबर उसके छह दिन बाद है। 6 दिसंबर लगभग दो हफ़्ते पहले है। फिर भी हम पक्के नहीं हो सकते, क्योंकि असली पत्र नहीं देखे गए, और ये पत्र 2009 में लिखी एक किताब से आते हैं।

कहानी को क्रम में लगाइए: उत्तर

क्रम	तारीख	घटना	पर्ची पर क्रमांक
1	अक्टूबर 1924	कानपुर की एक बैठक में समूह का नाम हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन रखा जाता है।	#5
2	25 दिसंबर 1924	पीलीभीत में बमरौली की डकैती। लुटेरों के सामने डटने वाला एक पहलवान मारा जाता है।	#12
3	मार्च और मई 1925	घरों में दो और डकैतियाँ बिचपुरी और द्वारकापुर। हर एक में एक आदमी की मौत होती है।	#7
4	8 अगस्त 1925	शाहजहाँपुर में दल रेल की योजना पर फ़ैसला करने के लिए मिलता है।	#2
5	9 अगस्त 1925	काकोरी के पास 8 डाउन रोकी जाती है। अहमद अली की मौत होती है।	#14
6	11 अगस्त 1925	काकोरी थाने में पुलिस रिपोर्ट उर्दू में लिखी जाती है।	#9
7	26 सितंबर 1925	एक ही दिन नौ आदमी गिरफ़्तार, जिनमें रोशन सिंह भी।	#4
8	26 अक्टूबर 1925	बिस्मिल शाहजहाँपुर में गिरफ़्तार।	#16
9	10 नवंबर 1925	लाहिड़ी कलकत्ता में एक गुप्त बम कारख़ाने में गिरफ़्तार होते हैं।	#11
10	जनवरी या मई 1926 ★	लखनऊ में मुक़दमा शुरू होता है। तारीख़ पर स्रोत असहमत हैं।	#1
11	7 दिसंबर 1926	अशफ़ाक़उल्ला एक साल से ज़्यादा फ़रार रहने के बाद दिल्ली में गिरफ़्तार होते हैं।	#13
12	6 अप्रैल 1927	जज अपना फ़ैसला सुनाता है: तीन को मौत की सज़ा, पंद्रह को जेल।	#6
13	अगस्त 1927 ★	चीफ़ कोर्ट मौत की सज़ाएँ बनाए रखता है। तारीख़ पर स्रोत असहमत हैं।	#15
14	16 सितंबर 1927	आखिरी अपील प्रिवी काउंसिल और सम्राट के पास जाती है। वह ठुकरा दी जाती है।	#8
15	17 दिसंबर 1927	राजेंद्र लाहिड़ी को गोंडा में दो दिन पहले ही फाँसी दे दी जाती है।	#3
16	19 दिसंबर 1927	बिस्मिल, रोशन सिंह और अशफ़ाक़उल्ला ख़ान को फाँसी दी जाती है।	#10

★ तारीख़ पर स्रोत असहमत हैं: मुक़दमा 4 जनवरी 1926 या 1 मई 1926 को शुरू हुआ; चीफ़ कोर्ट ने 11 या 22 अगस्त 1927 को फ़ैसला दिया। “पर्ची पर क्रमांक” विद्यार्थी के पन्ने की संख्या है।

प्रश्नोत्तरी के उत्तर

#	सवाल	उत्तर
1	काकोरी के पास जो गाड़ी रोकी गई, उसका नंबर क्या था?	A. 8 डाउन
2	मन्मथनाथ गुप्त को किसका माउज़र पिस्तौल थमाया गया था?	B. अशफ़ाक़उल्ला ख़ान का
3	यात्रियों से क्या कहा गया?	B. अंदर रहो, क्योंकि सिर्फ़ सरकारी पैसा चाहिए
4	अहमद अली का पेशा क्या था?	C. वकील
5	फ़ौसी पाने वाले चारों में से किसके बारे में दो स्रोत कहते हैं कि वह गाड़ी पर नहीं था?	A. रोशन सिंह
6	रोशन सिंह को किस लूट के लिए सज़ा मिली?	B. बमरौली
7	पहली पुलिस रिपोर्ट किस भाषा में लिखी गई थी?	C. उर्दू
8	मुक़दमे में सरकार का वकील कौन था?	A. पंडित जगत नारायण
9	केंद्रीय विधायिका के कितने सदस्यों ने वायसराय के नाम ज़ापन पर दस्तख़त किए?	B. 78
10	चारों में से किसे सबसे पहले, 17 दिसंबर 1927 को, फ़ौसी हुई?	A. राजेंद्र लाहिड़ी
11	डाल्टनगंज में छिपते समय अशफ़ाक़उल्ला क्या काम करते थे?	B. क्लर्क
12	गोरखपुर जेल में बिस्मिल ने अपनी ज़िंदगी की कहानी किस पर लिखी?	A. कागज़ के टुकड़ों पर